



.3.

1. यह कि कुल जरे समन हस्ब तफसील जैल अजां खरीदार मौसूफ वसूल पा लिया है।
2. यह कि कब्जा मौके पर खरीदार को दे दिया है और खरीदार को अपनी तरह मालिक कामिल व काबिज बना दिया है। जिस तरह चाहे काम में लावे उजर न होगा।
3. यह कि दाखिल खारिज कागजात माल में दर्ज व मंजूर करा दूंगा अगर मैं ना कराऊं तो खरीदार को अधिकार होगा कि वह बरूये बैयनामा दस्तावेज हजा के खुद करा लेवे उजर न होगा।
4. यह कि अगर टाईटल के किसी किसम के कानूनी नुक्स की वजह से उपरोक्त आराजी बयशुदा खरीदार के कब्जे से निकल गयी तो मैं और मेरे वारसान कुल जरे बैय व खर्चा हर्जा अदा करने के जिम्मेवार होंगे।
5. यह कि अगर उपरोक्त आराजी पर आज तक का किसी प्रकार का कोई भार साबित हुआ तो उसकी अदायगी की जिम्मेवारी बाया की होगी।
6. यह कि खर्चा स्टाम्प वगैरा सब खरीदार ने लगाया है।
7. यह कि मैं और मेरे वारसान इस तहरीर के पाबन्द रहेंगे।

तफसील वसूलयाबी कुल जरे समन मुबलिंग:- 18,75,040/- रुपये

I. यह कि मुबलिंग 6,00,000/- रुपये {छः लाख रुपये} बतौर ब्याना व जुजवी कीमत खरीदार से पहले नकद वसूल पा लिये है।

II. यह कि बाकी मुबलिंग 12,75,040/- रुपये बजरये बैंक नम्बर 297116 दिनांक 8-10-96 जारी का सिंडीकेट बैंक बसन्त बिहार नई दिल्ली पहले वसूल पा चुका है।

अतः यह बैयनामा तहरीर कर दिया ताकि सनद रहे और वख्त जरूरत पर काम आवे। तारीख तहरीर: 6/11/96.

RAJENDER NARAIN ADVOCATE
Panchayat Bh
562/16, Baraf Khana, C

पोखर उर्फ जागेराम बाया

मि. जा. खरीदार

कमल

*कमल के बजरोहन से
मि. नारायण, नई दिल्ली*

Hem Ram Khatana
Advocate

गवाह:

[Signature]

गवाह:

Raj Kumar

*Raj Kumar Uddi Singh
No. Patel Nagar, Lucknow*

रजिस्टर इन्लिकाल

[illegible]

3156
 110-11-
 22-11-96
 S. No. 3156 Date 5-11-96
 Certified under Section 27 of the Indian Stamp Act
 1889, that, Stamp duty of the amount of Rs 234,442/-
 (Rupees Two Lacs thirty four thousand four hundred and two only)
 has been levied on this document and paid by
 P. K. Jaiswal Alias Jage S/o P. K. Jaiswal R/o Islampur
 Through.....
 Vide treasury challan number 11 Dt. 31-10-96
 Sale Deed for Rs. 18,75,040/-
 In favour of M/s. Deep Mala Builders (P) Ltd.

TREASURY OFFICER
 CUM COLLECTOR
 SURGAON

5-11-96



क्रिसम बसीका : बेयनामा आराजी जरई
 मालियती : 18,75,040/- रुपये
 स्टाम्प : 2,34,442/- रुपये
 शहद : 450

मनके पोखर उर्फ जागेराय पुत्र भूतसिंह पुत्र देवीसिंह निवासी गाँव इस्तामपुर
 तहसील व जिला गुडगाँवा का हूँ। जो कि मैं आराजी जरई खेवट नं० 265,221

पेज न० 2



(ज. म. 31/11/96)

.2.

303

खाता नम्बर 364/खसरा नम्बरान 320/2/1(0-6), 344(1-4) रकबा तादादी 1बीघा 10 बिस्वा पुखता का 1/4 भाग बकदर 0 बीघा 7 बिस्वा 10 बिस्वांसी पुखता वाका रकबा मौजा इस्लामपुर तहसील व जिला गुड़गांवा का बरुये फर्द जमाबन्दी साल 1990-91 मालिक व काबिज हूँ। यह आराजी ना एकवायर शुदा है, ना सरपलस रकबा है, ना ही कोई नोटिस किसी किसम का इस आराजी की बाबत प्राप्त हुआ है। ना ही इस आराजी का बेचने का सौदा किसी दीगर व्यक्ति से किया हुआ है। ना ही यह आराजी आज तक कहीं रहन, बैय, हिबे, पट्टे पर है। ना ही इस आराजी पर कोई सरकारी व गैर सरकारी व किसी बैंक आदि से कोई लोन लिया हुआ है। यानि यह आराजी आज तक हर प्रकार के बार से पाक व साफ है। मुझे तरक्की व खरीद दीगर जायदाद आदि के लिए रुपये की जरूरत है। इसलिए आज अपने ठीक होश हवाश में अपनी मर्जी और खुशी से व बगैर किसी दबाव के उपरोक्त आराजी मजकूरा बाला, मये हक हकूक दाखली व खारजी सहित को बिलएवज मुबलिय 18,75,040/- रुपये आठ अठारह लाख पच्चीस हजार चालित रुपये----- जिसके आधे मुबलिय 9,37,520/- रुपये होते हैं बदसत दीपमाला बिल्डर्स प्रा० लिमिटेड ई-2, आनन्द निकेतन, नई दिल्ली को बैय व फिरोख्त करके इकरार करता हूँ कि शरायत जैल का पाबन्द रहूंगा :-

.3.

1. यह कि कुल जरे समन हस्ब तफसील जैल अजां खरीदार मौसूफ वसूल पा लिया है।
2. यह कि कब्जा मौके पर खरीदार को दे दिया है और खरीदार को अपनी तरह मालिक कामिल व काबिज बना दिया है। जिस तरह चाहे काम में लावे उजर न होगा।
3. यह कि दाखिल खारिज कागजात माल में दर्ज व मंजूर करा दूंगा अगर मैं ना कराऊं तो खरीदार को अधिकार होगा कि वह बरूये बैयनामा दस्तावेज हजा के खुद करा लेवे उजर न होगा।
4. यह कि अगर टाईटल के किसी किसम के कानूनी नुक्स की वजह से उपरोक्त आराजी बयंशुदा खरीदार के कब्जे से निकल गयी तो मैं और मेरे वारसान कुल जरे बैय व खर्चा हर्जा अदा करने के जिम्मेवार होंगे।
5. यह कि अगर उपरोक्त आराजी पर आज तक का किसी प्रकार का कोई भार साबित हुआ तो उसकी अदायगी की जिम्मेवारी बाया की होगी।
6. यह कि खर्चा स्टाम्प वगैरा सब खरीदार ने लगाया है।
7. यह कि मैं और मेरे वारसान इस तहरीर के पाबन्द रहेंगे।

तफसील वसूलयाबी कुल जरे समन मुबलिंग:- 18,75,040/- रुपये

I. यह कि मुबलिंग 6,00,000/- रुपये रु. लाख रुपये बतौर हयाना व पुजवी कीमत उरीदार से पहले नकद वसूल पा लिये है ।

II. यह कि बाकी मुबलिंग 12,75,040/- रुपये बजरेये पैक नम्बर 297089 दिनांक 25-10-96 जारी क्ता सिंडीकेट बैंक बसन्त बिहार नई दिल्ली पहले वसूल पा चुका है ।

अतः यह बैयनामा तहरीर कर दिया ताकि सनद रहे और वख्त जरूरत पर

काम आवे। तारीख तहरीर: 11/1/97.

Rajender Narain
RAJENDER NARAIN ADVOCATE
Panchayat Bhawan
562/16, Baraf Khana, Jangpura

पोखर उर्फ जागेराम बाया

मि. जा. खरीदार

Leni Kumar

*Karlon Sam's Brigmohandam
R/o Narayana N. Delhi*

गवाह:

[Signature]

गवाह:

Leni Kumar

*Rajkumar o. Vohar Ist
R/o Patel Nagar
Luzan*

रजिस्टर इन्तकाल

[illegible]

mn 1383

11863

S. No. 315 Date 5-11-96

Certified under Section 42 of the Indian Stamp Act

1889, that, Stamp Duty of the amount of Rs. 234442/-

(Rupees Two lac thirty four thousand four hundred forty-

has been levied on the document and paid by

P. Kher Alias Jage O/o Phool S. Shroff

Through...

vide treasury challan number 12 Dt. 31-10-96

Rs. 18,75,040/-

Stamp for Rs. 18,75,040/-

Signature of M/s. G. S. Construction Co. Ltd.

TREASURY OFFICER
REVENUE COLLECTOR
SURGAON

5-11-96



विक्रम वसीका : बेयनामा आराजी जरई
मा लियती : 18,75,040/- रुपये
स्टाम्प : 2,34,442/- रुपये
शब्द : 450

मनके पोखर उर्फ जागेराम पुत्र फूलसिंह पुत्र देवीसिंह निवासी गांव इस्लामपुर
तहसील व जिला गुड़गावा का हूँ। जो कि है आराजी जरई केवट नं० 265

पेज न० 2

L.T. पोखरा उर्फ जागेराम

2.

303

खाता नम्बर 364/ससरा नम्बरान 320/2/1(0-6), 344(1-4) रकबा तादादी 1बीघा 10 बिस्वा पुखता का 1/4 भाग बकदर 0 बीघा 7 बिस्वा 10 बिस्वांसी पुखता वाका रकबा मौजा इस्लामपुर तहसील व जिला गुड़गांवा का बरूये फर्द जमाबन्दी साल 1990-91 मालिक व काबिज हैं। यह आराजी ना एकवायर शुदा है, ना सरपलस रकबा है, ना ही कोई नोटिस किसी किसम का इस आराजी की बाबत प्राप्त हुआ है। ना ही इस आराजी का बेचने का सौदा किसी दीगर व्यक्ति से किया हुआ है। ना ही यह आराजी आज तक कहीं रहन, बैय, हिबे, पट्टे पर है। ना ही इस आराजी पर कोई सरकारी व गैर सरकारी व किसी बैंक आदि से कोई लोन लिया हुआ है। यानि यह आराजी आज तक हर प्रकार के बार से पाक व साफ है। मुझे तरक्की व खरीद दीगर जायदाद आदि के लिए रुपये की जरूरत है। इसलिए आज अपने ठीक होश हवाश में अपनी मर्जी और खुशी से व बगैर किसी दबाव के उपरोक्त आराजी मजकूर बाला, मये हक हकूक दाखली व खारजी सहित को बिलएवज मुबलिग 18,75,040/- रुपये अठारह लाख पचहतर हजार चालिस रुपये----- जिसके आधे मुबलिग 9,37,520/- रुपये होते हैं बदसत मैसर्ज एनरजेटिक कन्सट्रक्शन प्रा० लिमिटेड ई-2, आनन्द निकेतन, नई दिल्ली को बैय व फिरोख्त करके इकरार करता हूँ कि शरायत जैल का पाबन्द रहूंगा :-

पेज नं० 3

LT. पोखर 30/11/2019

.3.

1. यह कि कुल जरे समन हस्ब तफसील जैल अजां खरीदार मौसूफ वसूल पा लिया है।
2. यह कि कब्जा मौके पर खरीदार को दे दिया है और खरीदार को अपनी तरह मालिक कामिल व काबिज बना दिया है। जिस तरह चाहे काम में लावे उजर न होगा।
3. यह कि दाखिल खारिज कागजात माल में दर्ज व मंजूर करा दूंगा अगर मैं ना कराऊं तो खरीदार को अधिकार होगा कि वह बरूये बैयनामा दस्तावेज हजा के खुद करा लेवे उजर न होगा।
4. यह कि अगर टाईटल के किसी किसम के कानूनी नुक्स की वजह से उपरोक्त आराजी बयशुदा खरीदार के कब्जे से निकल गयी तो मैं और मेरे वारसान कुल जरे बैय व खर्चा हर्जा अदा करने के जिम्मेवार होंगे।
5. यह कि अगर उपरोक्त आराजी पर आज तक का किसी प्रकार का कोई भार साबित हुआ तो उसकी अदायगी की जिम्मेवारी बाया की होगी।
6. यह कि खर्चा स्टाम्प वगैरा सब खरीदार ने लगाया है।
7. यह कि मैं और मेरे वारसान इस तहरीर के पाबन्द रहेंगे।



हस्ताक्षर
प्रो. 24/2 अफ. जाग. 20/7

तफसील वसूलयाबी कुल जरे समन मुबलिंग:- 18,75,040/- रुपये

I. यह कि मुबलिंग 6,00,000/- रुपये छः लाख रुपये बतौर ख्याना व जुजवी कीमत पहले नकद वसूल पा लिये है।

II. यह कि बाकी मुबलिंग 12,75,040/- रुपये बाह्र लाख पचहत्तर हजार चालिस रुपये बजरये बैंक नम्बर 306878 दिनांक 15-11-76 जारी कर्ता हिंडीकेट

बैंक बसन्त बिहार नई दिल्ली रोबरु श्रीमान सब रजिस्ट्रार साहब गुडगाँवा वसूल पाईना।

अतः यह बैयनामा तहरीर कर दिया ताकि सनद रहे और वख्त जरूरत पर

काम आवे। तारीख तहरीर: 6/11/76.

RAJENDER NARAIN ADVOCATE

Panchayat

562/16, Baraf Khana,

पोखर उर्फ जागेराम बाया

मि. जा. खरीदार

Signature

Deputy Secy to Brijmohan Singh

R/o Meerapur, near Delhi

Hem Ram Khatana
Advocate

गवाह:

Signature

गवाह: *Signature*

Signature

Signature

M.N. 1386

11129 ✓
6/11/96

S. No. 3158

Date 5-11-96

Certified under Section 62 of the Indian Stamp Act 1869, that, Stamp is of the amount of Rs. 23442/-

(Rupees) Two lac thirty four thousand four hundred forty two has been received by this document and paid by R. K. Singh Alas Jage Sh. Phool Sh. R. G. Singh and

Through Vide treasury challan number 13 Dt. 31-10-96

Sale Deed for Rs. 18,75,040/- in favour of M/s. G. L. Contract Investment (P) Ltd.

TREASURY OFFICER
JUM COLLECTOR
MURGAON

(14)



M.N. 1386



किस्तम वसीका	:	बेयनामा आराजी जरई
मालियती	:	18,75,040/- रुपये
स्टाम्प	:	2,34,442/- रुपये
शब्द	:	450

मनके पोखर उर्फ जागेराम पुत्र झल सिंह पुत्र देवी सिंह निवासी गहँव इस्लामपुर तहसील व जिला मुहगाँवा का हूँ। जो कि मैं आराजी जरईवट नं० 265,221

पेज न० 2



LTI. 6/12/96 3rd Jan 97

.2.

303

खाता नम्बर 364/खसरा नम्बरान 320/2/1(0-6), 344(1-4) रकबा तादादी 1बीघा 10 बिस्वा पुखता का 1/4 भाग बकदर 0 बीघा 7 बिस्वा 10 बिस्वांसी पुखता वाका रकबा मौजा इस्लामपुर तहसील व जिला गुड़गांवा का बरुये फर्द जमाबन्दी साल 1990-91 मालिक व काबिज हूँ। यह आराजी ना एकवायर शुदा है, ना सरपलस रकबा है, ना ही कोई नोटिस किसी किसम का इस आराजी की बाबत प्राप्त हुआ है। ना ही इस आराजी का बेचने का सौदा किसी दीगर व्यक्ति से किया हुआ है। ना ही यह आराजी आज तक कहीं रहन, बैय, हिबे, पट्टे पर है। ना ही इस आराजी पर कोई सरकारी व गैर सरकारी व किसी बैंक आदि से कोई लोन लिया हुआ है। यानि यह आराजी आज तक हर प्रकार के बार से पाक व साफ है। मुझे तरक्की व खरीद दीगर जायदाद आदि के लिए रुपये की जरूरत है। इसलिए आज अपने ठीक होश हवाश में अपनी मर्जी और खुशी से व बगैर किसी दबाव के उपरोक्त आराजी मजकूरा बाला, मये हक हकूक दाखली व खारजी सहित को बिलएवज मुबलिग 18,75,040/- रुपये {अठारह लाख पचहत्तर हजार चालिस रुपये}---- जिसके आधे मुबलिग 9,37,520/- रुपये होते हैं बदसत मैसर्ज मैसर्ज गलोरियश कन्सट्रैक्ट इनवेस्ट प्रा० लिमिटेड ई-2, आनन्द निकेतन, नई दिल्ली को बैय व फिरोख्त करके इकरार करता हूँ कि शरायत जैल का पाबन्द रहूंगा :-

1. यह कि कुल जरे समन हस्ब तफसील जैल अजां खरीदार मौसूफ वसूल पा लिया है।
2. यह कि कब्जा मौके पर खरीदार को दे दिया है और खरीदार को अपनी तरह मालिक कामिल व काबिज बना दिया है। जिस तरह चाहे काम में लावे उजर न होगा।
3. यह कि दाखिल खारिज कागजात माल में दर्ज व मंजूर करा दूंगा अगर मैं ना कराऊं तो खरीदार को अधिकार होगा कि वह बरूये बैयनामा दस्तावेज हजा के खुद करा लेवे उजर न होगा।
4. यह कि अगर टाईटल के किसी किसम के कानूनी नुक्स की वजह से उपरोक्त आराजी बयशुदा खरीदार के कब्जे से निकल गयी तो मैं और मेरे वारसान कुल जरे बैय व खर्चा हर्जा अदा करने के जिम्मेवार होंगे।
5. यह कि अगर उपरोक्त आराजी पर आज तक का किसी प्रकार का कोई भार साबित हुआ तो उसकी अदायगी की जिम्मेवारी बाया की होगी।
6. यह कि खर्चा स्टाम्प वगैरा सब खरीदार ने लगाया है।
7. यह कि मैं और मेरे वारसान इस तहरीर के पाबन्द रहेंगे।

तफसील वसूलयाबी कुल जरे समन मुबलिंग:- 18,75,040/- रुपये

I. यह कि मुबलिंग 6,00,000/- रुपये ॥ ४॥ लाख रुपये ॥ बतौर ब्याना व जुजवी कीमत खरीदार से नकद वसूल पा लिये है ।

II. यह कि बाकी मुबलिंग 12,75,040/- रुपये बजरये चैक नम्बर 297137

दिनांक 15-12-96 जारी कर्ता सिंडीकेट बैंक बसन्त बिहार नई दिल्ली रोबरु

श्रीमान सब रजिस्ट्रार साहब गुडगांव वसूल पांजा ।

अतः यह बैयनामा तहरीर कर दिया ताकि सनद रहे और वख्त जरूरत पर

काम आवे। तारीख तहरीर: 6/11/96.

RAJENDER NARAIN ADVOCATE
Panchayat Bhawan
562/16, Baraf Khana, Gurgaon

पोखर उर्फ जागेराम बाया

मि. जा. खरीदार

कैलास लाल शर्मा, बजमाल लाल
कि नारायण, नई दिल्ली

Hem Ram Khetana
Advocate

गवाह:

गवाह:

27/ 11/96 दिनांक 27/11/96
दिनांक, नारायण

गणेश मठ

[illegible]

[illegible]

कि भासानी से जगदम्बी के साथ मेली हो सके ।

507

नंती गांव ईस्टा प्रपुट

तहसील

जिला

सुडानाई

साल

2006-07

2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12		
	नाम सरफ या पत्नी और नया सहित नंबरदार का नाम	विवरण सहित मासिक का नाम	विवरण सहित काशतकार का नाम	कूद या सिंचन के शु. साधन का नाम	नंबर बसने या मरने और काले का नंबर	रकबा और किरा	दा और सखी के दादे के साथ समाज को दादे के दादे	दस्तावे	दस्तावे या रकबापत का	पूजा का और बाह का दा	माल और सखाई के दादे सहित माली	अभ्युक्ति
480		मे अर्द्ध लिट व नन्स दे नेशन डा. लि. नई दिल्ली 1 आर मे सुगरकोटि व नन्स दे नेशन डा. लि. नई दिल्ली 1 आर मे दीपभाता विलडर डी. लि. नई दिल्ली 1 आर मे गलेोरिपन विलडर डी. डा. लि. नई दिल्ली 1 आर	मन बूजा मालवारा		344	1-4 ब. डा. डी. डा. 1-3 0-1						

नवरा मन्दाबिक अराल के ह
बनगत इरुत जावता वरुला पाई

15/7/11

हो पटवारी
कुल्लु भारद्वाज

होमिना का

नवत मर्यादिक अस्तित्व के
हस्तात इस्त जावता वरुण पाई

11/11/11
हस्तात मारुका